

NCERT Solutions for 9th Class हिंदी : पाठ 4-माटी वाली



indCareer



indCareer



indCareer

NCERT Solutions for 9th Class हिंदी : पाठ 4-माटी वाली

Class 9: हिंदी पाठ 4 solutions. Complete Class 9 हिंदी पाठ 4 Notes.

NCERT Solutions for 9th Class हिंदी : पाठ 4-माटी वाली

NCERT 9th हिंदी पाठ 4, class 9 हिंदी पाठ 4 solutions

पृष्ठ संख्या: 48

1. 'शहरवासी सिर्फ माटी वाली को नहीं, उसके कंटर को भी अच्छी तरह पहचानते हैं।' आपकी समझ से वे कौन से कारण रहे होंगे जिनके रहते 'माटी वाली' को सब पहचानते थे?

उत्तर

शहरवासी माटी वाली तथा उसके कंटर को इसलिए जानते होंगे क्योंकि लाल मिट्टी की जरूरत चूल्हे-चौके की लिपाई के लिए हर घर की थी। पूरे टिहरी शहर में घर-घर में लाल मिट्टी देने का काम करने वाली वह अकेली थी। उसका कोई प्रतिद्वंदी नहीं था। इसलिए सभी उसके ग्राहक थे। चूँकि उसका कनस्तर बिना ढक्कन का था जो ऊपर से खुला रहता था इसलिए लोग उसके कनस्तर को भी पहचानते थे।

2. माटी वाली के पास अपने अच्छे या बुरे भाग्य के बारे में ज़्यादा सोचने का समय क्यों नहीं था?

उत्तर

माटी वाली के पास अपने अच्छे या बुरे भाग्य के बारे में ज़्यादा सोचने का समय नहीं था चूँकि वह हर दिन सुबह उठकर माटाखाना जाती और फिर शाम तक उसे बेचती। फिर घर आकर उसे अपने और बुढ़े के लिए भोजन भी बनाती।

NCERT 9th हिंदी पाठ 4, class 9 हिंदी पाठ 4 solutions

3. 'भूख मीठी कि भोजन मीठा' से क्या अभिप्राय है?

उत्तर

इस बात का आशय है जब मनुष्य भूखा होता है तो उसका विशेष ध्यान भूख मिटाने पर होता है ना कि वह स्वादिष्ट भोजन की खोज करता है। यानी भूख लगे होने पर भोजन की मिठास नहीं देखी जाती। भूख खुद ही भोजन में मिठास पैदा कर देती है।

4. 'पुरखों की गाढ़ी कमाई से हासिल की गयी चीज़ों को हराम के भाव बेचने को मेरा दिल गवाही नहीं देता।' - मालकिन के इस कथन के आलोक में विरासत के बारे में अपने विचार व्यक्त कीजिए।

उत्तर

पूर्वजों द्वारा दी गयी चीज़ें विरासत होती हैं। मालकिन को पीतल के बर्तन विरासत में मिले थे और वह उन्हें बहुत संभालकर रखती थी। चूँकि उसके मन में विरासत के प्रति आदर, सम्मान और प्रेम की भावना थी। चूँकि उसे पता था कि पूर्वजों ने उन चीज़ों को कड़ी मेहनत और अभाव में खरीदा है। विरासत की चीज़ें उसके लिए अनमोल थी।

NCERT 9th हिंदी पाठ 4, class 9 हिंदी पाठ 4 solutions

5. माटी वाली का रोटियों का इस तरह हिसाब लगाना उसकी किस मजबूरी को प्रकट करता है?

उत्तर

<https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for-9th-class-hindi-chapter-4-matee-wali/>

माटी वाली का रोटियों का हिसाब लगाना उसकी गरीबी को प्रकट करता है। उसे अपने और बुढ़े पति का पेट भरना होता था इसलिए वह किसी घर में मिली रोटियों को गिनती और अपने पति के लिए भी बचाकर लाती ताकि उसका पेट भी भर सके।

NCERT 9th हिंदी पाठ 4, class 9 हिंदी पाठ 4 solutions

6. 'आज माटी वाली बुढ़े को कोरी रोटियाँ नहीं देगी।' - इस कथन के आधार पर माटी वाली के हृदय के भावों को अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर

बुढ़े पति के अलावा माटी वाली का कोई अपना नहीं था। वह अभावग्रस्त जीवन जी रही थी जिस कारण वह अपने बीमार पति के लिए अच्छे भोजन नहीं जुटा पाती थी। परन्तु उस दिन वह अपने पति के लिए तीन रोटियाँ बचाकर ले जा रही थी। उसने अपनी आमदनी से प्याज भी खरीदा था। उसने सोचा था कि वह घर जाकर सब्जी बनाएगी और अपने पति के सामने परोसेगी। आज उसके पति को रुखा-सूखा नहीं खाना पड़ेगा। अपने पति के प्रति ये सोच माटीवाली के असीम स्नेह और कर्तव्यों को दर्शाते हैं।

NCERT 9th हिंदी पाठ 4, class 9 हिंदी पाठ 4 solutions

7. गरीब आदमी का श्मशान नहीं उजड़ना चाहिए। इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर

गरीब आदमी का श्मशान नहीं उजड़ना चाहिए - इस कथन का आशय यह है कि गरीबों का घर नहीं छिनना चाहिए। एक दिन जब माटीवाली मजदूरी कर घर पहुँचती है तो उसके पति की मृत्यु हो चुकी होती है। अब उसके पास कोई अपना नहीं था। उसे अपने पति के अंतिम संस्कार की चिंता थी चूँकि बांध के कारण सारे श्मशान पानी में डूब चुके थे। उसे लिए अब घर भी श्मशान के समान लग रहा था।

NCERT 9th हिंदी पाठ 4, class 9 हिंदी पाठ 4 solutions

8. 'विस्थापन की समस्या' पर एक अनुच्छेद लिखिए।

उत्तर

नागरिकों का एक स्थान से दूसरे स्थान पर बसना विस्थापन कहलाता है। यह लोगों पर विपत्ति आने के कारण होता है। जैसे भूकंप के कारण, बाढ़ के कारण, बांध के लिए, बिजली परियोजना के लिए। आज के समय में विस्थापन एक प्रमुख समस्या है। यह लोगों के विकास को अवरुद्ध करने के साथ देश के विकास को भी काफी हद तक रोकती है। यह लोगों से उनका कमाने का जरिया, उनका घर-जमीन छीन लेती है। उनके बच्चों का विकास को यह बहुत ज्यादा प्रभावित करती है। हमारे सामने विस्थापन के कारण हुए विरोधों के उदाहरण हैं जैसे नर्मदा आंदोलन। हमें इस विषय ध्यानपूर्वक सोचना चाहिए कि क्या हमारा विकास उन गरीबों और असहाय वर्ग के घरों-मकानों पर होगा।

<https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for-9th-class-hindi-chapter-4-matee-wali/>

NCERT 9th हिंदी पाठ 4, class 9 हिंदी पाठ 4 solutions



<https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for-9th-class-hindi-chapter-4-matee-wali/>

Chapterwise NCERT Solutions for Class 9 हिंदी :

- पाठ 1-इस जल प्रलय में
- पाठ 2-मेरे संग की औरतें
- पाठ 3-रीढ़ की हड्डी
- पाठ 4-माटी वाली
- पाठ 5-किस तरह आखिरकार मैं हिंदी में आया

About NCERT

The National Council of Educational Research and Training is an autonomous organization of the Government of India which was established in 1961 as a literary, scientific, and charitable Society under the Societies Registration Act. The major objectives of NCERT and its constituent units are to: undertake, promote and coordinate research in areas related to school education; prepare and publish model textbooks, supplementary material, newsletters, journals and develop educational kits, multimedia digital materials, etc. Organise pre-service and in-service training of teachers; develop and disseminate innovative educational techniques and practices; collaborate and network with state educational departments, universities, NGOs and other educational institutions; act as a clearing house for ideas and information in matters related to school education; and act as a nodal agency for achieving the goals of Universalisation of Elementary Education. In addition to research, development, training, extension, publication and dissemination activities, NCERT is an implementation agency for bilateral cultural exchange programmes with other countries in the field of school education. Its headquarters are located at Sri Aurobindo Marg in New Delhi. [Visit the Official NCERT website](#) to learn more.

<https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for-9th-class-hindi-chapter-4-matee-wali/>